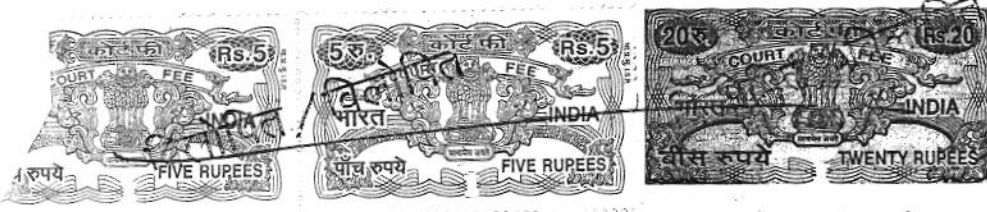


305

181

न्यायालय श्रीमान् सदस्य, राजस्व मण्डल म0प्र0, ग्वालियर, खण्डपीठ रीवा
(म0प्र0)



Rs 300

RS067 II/17

गंगा प्रसाद साकेत तनय स्व. घासिलराम साकेत, निवासी ग्राम-भोलगढ़,
तहसील हुजूर, जिला-रीवा (म0प्र0) —निगरानीकर्ता

बनाम

गनपति चमार तनय समन चमार, निवासी ग्राम-भोलगढ़, तहसील हुजूर,
जिला-रीवा (म0प्र0) (प्रत्यर्थी)

श्री ललेश शर्मा
वेधा/14-2-17

कलम 103 के अंतर्गत
राजस्व मण्डल म0 न्यायालय
(सर्किट कोर्ट) रीवा

निगरानी विरुद्ध आदेश राजस्व निरीक्षक,
राजस्व निरीक्षक मण्डल बनकुइयाँ,
तहसील हुजूर, जिला-रीवा (म0प्र0)
प्रकरण क्र. 18/अ-12/2016-17
आदेश दिनांक 10.01.2017.

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म0प्र0
भू-राजस्व संहिता 1959 ई.

मान्यवर,

निगरानी के आधार निम्नलिखित हैं :-

1. यह कि अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि एवं प्रक्रिया के विरुद्ध होने से निरस्त किए जाने योग्य है।
2. यह कि आराजी नं. 662/1 रकवा 0.020 हे. के भूमिस्वामी आवेदक/प्रत्यर्थी हैं तथा आराजी नं. 662/2 रकवा 0.020 हे. का भूमिस्वामी एवं आधिपत्यधारी निगरानीकर्ता के पिता घासिलराम शासकीय अभिलेख में अंकित चले आ रहे हैं, किन्तु निगरानीकर्ता के पिता का स्वर्गवास आज से 1 साल पूर्व हो चुका है, जिसमें उनकी मृत्यु के बाद निगरानीकर्ता भूमिस्वामी एवं आधिपत्यधारी हैं तथा उक्त आराजी में निगरानीकर्ता का पुश्तैनी आवासीय मकान बना हुआ है तथा कुछ रकवा निस्तार के रूप में खाली पड़ा हुआ है।

dm

662/1

गंगा प्रसाद साकेत

प्रत्यक्ष के वादिका -

नं० 1280 दफ्तर लाहौर तनप ख० बानपति साहेब उम्र 48 वर्ष पेशा

मालकी मन्साफा मजदूरी

के आदेश दिनांक 1-11-1917 फलतः साहेब तनप ख० बानपति साहेब उम्र 45 वर्ष

उम्र 71 वर्ष पेशा मजदूरी

अन्तर्गत प्रत्यक्ष के वादिका के वादिका के साक्षी (पेशा) फलतः दफ्तर जिला सेवा (उम्र 48)

— प्रत्यक्षी 1280

1280/17
25/11/17


(18)

राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक.....R-5067-II/17.....जिला.....श्रीवा

.....गंगा प्रसाद साहू विरुद्ध शान्ति चमार.....

1	2	3
167-19-	<p>1. आवेदक की ओर से श्री.....<u>हनुमान सिंह</u>..... अधिवक्ता द्वारा यह निगरानी राजस्व निरीक्षक, वृत्त <u>बनमोक्ष</u> तहसील.....<u>हुजूर</u>.....के प्रकरण क्रमांक.....<u>18/अ-12/2016-17</u>.....में पारित आदेश दिनांक.....<u>10.01.17</u>.....के विरुद्ध प्रस्तुत की गयी है। म0प्र0 भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुये संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत सुनवाई हेतु प्रकरण कलेक्टर.....<u>श्रीवा</u>.....के न्यायालय को अंतरित किया जाता है। उभयपक्ष दिनांक<u>25.03.19</u>..... को कलेक्टर.....<u>श्रीवा</u>.....के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हो।</p> <p style="text-align: center;"> सदस्य</p>	